FACULTY OF STUDIES
BSF Academy, Tekanpur
Phone 07524-274100, 200, 300/ Extn 321

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 1052/प्रेसनोट/अ0सं0/2016/ *23–01–2016*

सीमा सुरक्षा बल के सहायक कमाण्डेंट (सोधी भर्ती) बैच –39 का दीक्षांत परेड समारोह

टेकनपुर। 23 जनवरी 2016 को सीमा सुरक्षा बल अकादमी में सहायक कमाण्डेंट (सोधी भर्ती) बैच –39 की दीक्षांत परेड का भव्य आयोजन किया गया। इस पासिंग आउट परेड में माननीय श्री किरेन रिजिजु, (केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री, भारत सरकार) मुख्य अतिथि थे। मुख्य अतिथि महोदय ने सबसे पहले अजेय प्रहरी शहीद स्मारक पर जाकर पुष्पचक्र एवं श्रद्धांजलि अर्पित की। तदोपरान्त परेड ग्राउंड पहुंचकर परेड की सलामी ली और परेड का निरीक्षण किया। इस भव्य परेड में कुल 55 प्रशिक्षु राजपत्रित अधिकारियों की 02 प्लाटूनों ने मुख्य अतिथि को सलामी देते हुये शानदार परेड का प्रदर्शन किया। परेड के कमाण्डर प्रशिक्षु सहायक कमाण्डेंट श्री अप्पु कमल थे तथा सभी प्रशिक्षु राजपत्रित अधिकारियों ने उप कमाण्डेंट श्री एल एम पंत के साथ मुख्य अतिथि महोदय के समक्ष देश के संविधान के प्रति एकता, अखण्डता एवं सम्प्रभुता को बनाये रखने के लिये अपने आपको समर्पित करने की शपथ ली।

इसके बाद डॉ0 ए पी माहेश्वरी, भापुसे, निदेशक सीसुबल अकादमी ने अपना सम्बोधन शुरू करते हुए श्री किरेन रिजिजु, गृह राज्य मंत्री, सम्मानीय अतिथिगण, सीसुबल के सदस्य एवं मीडिया से आए कार्मिकों का सहायक समादेष्टा 39 बैच के अधिकारियों के दीक्षांत परेड समारोह में अपना अमूल्य समय देने के लिए आभार व्यक्त किया। निदेशक महोदय ने कहा कि परेड प्रांगण में खड़े अखिकारियों ने शपथ लेकर अपने आपको देश की सेवा हेतु समर्पित कर दिया है। इन अधिकारियों को प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विधाओं में दक्ष किया गया है। निदेशक महोदय ने कहा कि इन अधिकारियों में 45% साइंस एवं इंजिनियरिंग के क्षेत्रों में दक्ष एवं 20% अधिकारी पोस्ट ग्रेजुएट हैं। अकादमी टेकनपुर कैम्पस में स्थित कमाण्डो ट्रेनिंग स्कूल, आपदा प्रबंधन संस्थान, श्वॉन प्रशिक्षण केंद्र, परिवहन दक्षता संस्थान के साथ–साथ बल के ही इंजिनियरिंग कालेज व तकनीकि कार्यशाला से तरह–तरह की विधाएं सीखने का अवसर भी इन अधिकारियों को मिला है। इन अधिकारियों के प्रशिक्षण में अकादमी ने अद्यतन परिचालनिक आवश्यकताओं को पूरी तरह से ध्यान में रखा गया है। मानवाधिकारों एवं नैनिक मूल्यों पर भी संवेदनशीलता का उच्च स्तर सृजित किया गया है। महोदय ने इन अधिकारियों को सफल प्रशिक्षण देने के लिए शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। निदेशक महोदय ने सीसुबल के शहीदों को भी नमन करते हुए बल के गान से निम्न पंक्तियां दोहरायीः–

"भारत के हर प्रांत से आये, बहादुरों का दल,
हम हैं सीमा सुरक्षा बल, हम हैं सीमा सुरक्षा बल। "

निदेशक अकादमी ने प्रशिक्षु अधिकारियों के माता –पिता एवं अभिभावकों को धन्यवाद दिया जिन्होंने इन प्रशिक्षु अधिकारी को विभिन्न मूल्य प्रदान किये और दीक्षांत परेड में आकर समारोह को भव्यता प्रदान किया है। अपने सम्बोधन के अंत में निदेशक अकादमी ने माननीय मुख्य अतिथि श्री किरेन रिजिजु, गृहराज्य मंत्री को प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षु अधिकारियों को ट्राफी प्रदान करने हेतु आमंत्रित किया और मुख्य अतिथि महादय ने निम्न ट्राफियां प्रदान कीः–

क्र.सं.	ट्राफी का नाम	प्रशिक्षु
1	स्वॉर्ड ऑफ ऑनर (ऑल राउण्ड बैस्ट ट्रेनी)	श्री मनोहर सिंह राठोड़
2	ग्रह मंत्री ट्राफी (आउटडोर विषयों में श्रेष्ठ)	श्री अनिल कुमार चौहान
3	निदेशक सीसुबल ट्राफी (इनडोर विषयों में श्रेष्ठ)	श्रो मनोहर सिंह राठोड

नोट – प्रकाशन करते समय कृपया अधिकारियों के नाम, पद व रैंक का विशेष ध्यान रखा जाये।

4	निशानेबाजी में सर्वोत्तम	श्री पंकज मोतीलाल गोपाल घरे
5.	खेल में सर्वोत्तम	श्री मोनू यादव
6.	ड्रिल में सर्वोत्तम	श्री अप्पू कमल

दीक्षांत परेड के उपरांत मुख्य अतिथि माननीय श्री किरेन रिजिजु, (केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री, भारत सरकार) ने अपना संबोधन शुरू करते हुए सबसे पहले डॉ0 ए पी महेश्वरी, भापुसे, निदेशक अकादमी, समस्त अधिकारीगण, उनके परिवार, तथा प्रशिक्षुओं के अभिभावकों को धन्यवाद प्रेषित किया और कहा कि आज के इस समारोह में साक्षी होना महोदय के लिए गर्व की बात है। महोदय ने कहा कि सीसुबल अकादमी अपने 50 वर्ष पूर्ण होने पर इस वर्ष का स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में मना रहा है। अकादमी ने अपने 50 वर्षों के इतिहास में हजारों ऐसे अधिकारी इस बल को दिए हैं जिन्होने बहादुरी और मानवता की मिसाल कायम किए हैं। यह देश उनके कार्यों व सर्वोच्च बलिदानों के प्रति हमेशा नमस्तक रहेगा। महोदय ने सहायक समादेष्टा बैच न0. –39 के अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए उनके कठिन बुनियादी प्रशिक्षण पूरा कर, फौलादी इरादों के साथ देश की सेवा कि लिए पूरी तरह तैयार होने पर बधाई दी। सीमा सुरक्षा बल देश के सर्वोच्च सुरक्षा बलों में एक है, इस बल ने 1971 के युद्ध में अहम भूमिका अदा की थी। सीमा सुरक्षा बल को विश्व के सबसे बड़े सीमा सुरक्षा बल होने का सम्मान प्राप्त है। इस बल का सदस्य होने पर सभी को गर्व होना चाहिए।

महोदय ने कहा कि विश्व आतंकवाद के अभूतपूर्व संकट से जूझ रहा है। अंतकवाद का रोज बदलता चेहरा नई–नई चुनौतियां प्रस्तुत कर रहा है। सीसुबल ने हर जगह इसका सफलतापूर्वक मुकाबला किया और इसका खात्मा करने में अपना योगादान जारी है। देश में नक्सलवाद एक बड़ी समस्या है। सीसुबल आंतरिक सुरक्षा के दौरान नक्सवाद का सामना भी बाखूबी कर रहा है। अंत में माननीय गृहराज्य मंत्री ने एकबार पुनः दीक्षांत परेड में उपस्थित सीसुबल के सभी कार्मिकों, प्रशिक्षु अधिकारियो एवं उनके अभिभावकों को धन्यवाद प्रेषित करते हुए अपना संबोधन 'जय हिन्द' के साथ समाप्त किया।

यहॉ यह भी ध्यानयोग्य है कि 19 जनवरी 2015 से शुरू हुए सहायक कमाण्डेंट (सीधी भर्ती) बैच के 52 सप्ताह के कठिन प्रशिक्षण के दौरान् शारीरिक प्रशिक्षण, ड्रिल, हथियार का प्रशिक्षण, युद्ध–कौशल, निशानेबाजी, बिना हथियार लड़ने की कला, विधि व कानून, संचार, मानवाधिकार अधिनियम, पुलिस विषय, सीमाओं पर रोजमर्रा की कार्यवाही, समाज के साथ अच्छे संबंध, आपदा प्रबंधन, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट, फील्ड इंजीनियरींग, सीमा की निगरानी, आतंकवाद व उग्रवादियों से लड़ने जैसे विषयों के साथ कम्प्यूटर प्रशिक्षण और तैराकी का भी गहन प्रशिक्षण दिया गया है। ट्रेनिंग के दौरान इनके व्यक्तित्व को संवारने, चरित्र निर्माण तथा नेतृत्व क्षमता को विकसित करने पर विशेष कार्यक्रम चलाये गये। प्रशिक्षण के दौरान 03 सप्ताह का बॉर्डर टूर व एक सप्ताह का एडवंचर टूर भी करवाया गया ।

दीक्षांत परेड के अवसर पर दर्शकों के मनोरंजन के लिए एक शानदार डॉग शो, जांबाज टीम शो व वोल्टस शो का प्रदर्शन किया गया। बीएसएफ जॉर्ज बैंड द्वारा ''हम सीमा के प्रहरी सीना तान खड़े, भारत के गौरव की बनकर पहचान खड़े, भारत के हर प्रांत से आये बहादुरों का दल . . '' धुनों एवं अन्य देश प्रेमी धुनों का प्रदर्शन किया। इन सब आयोजनों को दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया। दीक्षांत परेड के अंतिम चरण में प्रशिक्षुओं का देश की सेवा में पहला कदम तीन–तीन की जोड़ियों में ''पीलिंग ऑफ'' एक यादगार प्रदर्शन के साथ सम्पन्न हुआ।

ज्ञात हो कि सीमा सुरक्षा बल अकादमी अपना गोल्डन जुबली वर्ष मना रहा है। सीमा सुरक्षा बल अकादमी की स्थापन 01 दिसम्बर 1966 को हुआ था। अकादमी के 50 वर्ष के स्वर्णिम इतिहास को उजागर करने के लिए अकादमी में विभिन्न कार्यकमों का आयोजन बड़े ही उत्साह से किया जा रहा है जिसमें अकादमी परिवार बढ़–चढ़ कर हिस्सा ले रहे है। अकादमी में गोल्डन जुबली वर्ष दिनांक 30 नवम्बर 2016 तक मनाया जाएगा।

दीक्षांत परेड समारोह में ग्वालियर तथा डबरा के लोकप्रिय जन प्रतिनिधयों और वरीष्ठ अधिकारियों के अलावा डा0 ए पी माहेश्वरी, भापुस, निदशक अकादमी, श्री आर एस मनराल,

नोट – प्रकाशन करते समय कृपया अधिकारियों के नाम, पद व रैंक का विशेष ध्यान रखा जाये।

महानिरीक्षक/उप निदेशक अकादमी, डा. टी एन मिश्रा, महानिरीक्षक (चिकित्सा), श्री पी एस बेन्स, उप महानिरीक्षक, श्री अमरजीत सिंह, उप महानिरीक्षक , श्री बी एस रावत, उप महानिरीक्षक, श्री ई जे बेनैट, उप महानिरीक्षक, श्री आई के मेहता, कमाण्डेंट, श्री राकेश कुमार नेगी, कमाण्डेंट, श्री मुकेश त्यागी, कमाण्डेंट, श्री नरेश तहलान, कमाण्डेंट, श्री एन एस औजला, कमाण्डेंट, श्री राजन सुद, कमाण्डेंट व अकादमी के अन्य अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारियों और कार्मिकों के अतिरिक्त प्रशिक्षु अधीनस्थ अधिकारियों के परिवारजन भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री ओ एन मिश्रा, प्राचार्य, बीएसएफ पब्लिक स्कूल द्वारा किया गया।

कमाण्डेन्ट
अध्ययन संकाय

नोट – प्रकाशन करते समय कृपया अधिकारियों के नाम, पद व रैंक का विशेष ध्यान रखा जाये।